क्यों 90% लोग अंत तक सफल नहीं हो पाते? अनिल अग्रवाल और खान सर की बातचीत ने खोल दी जिंदगी की सबसे बड़ी सच्चाई

Edited by: **Amit ranjan I** Agency: Local18
Last Updated:November 22, 2025, 20:05 IST

Anil Agrawal Khan Sir Talk: वेदांता ग्रुप के मालिक और प्रसिद्ध बिहारी उद्योगपति अनिल अग्रवाल और खान सर की मुलाकात में संघर्ष, सफलता, बिहारी अंदाज, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, इंडियन हार्वर्ड का सपना और जीवन के बड़े सवालों पर प्रेरक संदेश मिला. दोनों ने बिहार को लेकर अपनी यादें ताजा की. साथ ही बिहार को लेकर बड़ा प्लान बताया.

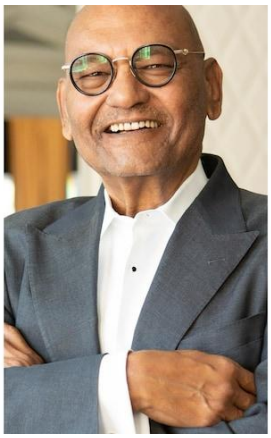

पटनाः जीवन में सफलता और संघर्ष के सवाल पर अक्सर लोग बेबस महसूस करते हैं कहां जाएं, किससे सलाह लें, कौन बताए कि किए जा रहे कदम सही हैं या गलत? इसी उलझन को दूर करने के लिए मशहूर उद्योगपति और वेदांता ग्रुप के मालिक और प्रसिद्ध उद्योगपति अनिल अग्रवाल और देश के लोकप्रिय शिक्षक खान सर के बीच हुई बातचीत लोगों के लिए बड़ा संदेश बनकर सामने आई है. दोनों ने मिलकर यह बताया कि क्यों अधिकांश लोग जीवन के दो बड़े सवालों कैसे जीना है और सही दिशा कौन-सी है का जवाब खोजते हुए भटक जाते हैं. पटना की गलियों से लेकर दुनिया के बोर्डरूम तक फैली दो पीढ़ियों की यह मुलाकात ठेठ बिहारी अंदाज, हास्य, संघर्ष, सफलता और सीख से भरी हुई है.

दिल में हमेशा बड़ा बनने का सपना था

डेयर टू ड्रीम टॉक शो में उद्योगपति अनिल अग्रवाल कहते हैं कि आप विश्वास नहीं करेंगे, बचपन में इतने बदमाश थे कि रोज किसी न किसी की खिड़की फोड़ देने की शिकायत घर पहुंचती थी. बचपन गुल्ली-डंडा, लट्टू, कंचे और स्टेशन के किनारे मस्ती में गुजरा, लेकिन दिल में हमेशा बड़ा बनने का सपना था. रेलवे स्टेशन के पास होली, दिवाली और सरस्वती पूजा पर खुद पंडाल लगाना, चंदा जुटाना और मूर्ति की एडवांस बुकिंग करना ही सबसे बड़ा रोमांच था.

फेल होना इस बात का संकेत

बाद में वही लड़का पटना की गलियों से निकलकर मुंबई पहुंचा. जहां पहली बार डबल डेकर बस, ऊंची इमारतें और फिल्मों में देखी हुई चमक-दमक असल में दिखी. स्क्रैप के छोटे से काम से शुरुआत की, कई बिजनेस फेल

हुए, इनामेलवेयर से लेकर कबाड़ तक बहुत कुछ आजमाया, लेकिन हिम्मत नहीं हारी. खुद मानते हैं कि कई बार फेल होना ही इस बात का संकेत है कि इंसान लंबी रेस का घोड़ा है.

भाषाई ज्ञान कितना जरूरी?

अंग्रेजी नहीं आती थी, बस यस-नो और थैंक यू तक सीमित थे, लेकिन रोज सीखते गए बोलचाल, पहनावा, कॉन्फिडेंस, सब कुछ. आगे चलकर लंदन पहुंचे, खुद को महाराजा कुमार कहकर इंट्रोड्यूस किया और वहीं से अरबों डॉलर का फंड जुटाकर अफ्रीका और भारत की कंपनियां खरीदकर उन्हें खड़ा किया. मानते हैं कि ड्रेस और एड्रेस दोनों सही होने चाहिए, इसलिए लंदन में भी बेहतरीन लोकेशन चुनी, लेकिन भारतीय संस्कार नहीं छोड़े घर में भारतीय लिबास, त्योहारों पर दीवाली-होली की रौनक और माता-पिता को 15 साल तक साथ रख कर सेवा की.

जिंक माइनिंग में 100% महिलाओं को मौका

खान सर से बातचीत में वे बार-बार बिहार के स्वभाव, वहां के जूनून और पलायन की पीड़ा का जिक्र करते हैं. कहते हैं, जो लोग 7-8 हजार रुपये के लिए 2000 किमी दूर जाते हैं, वे असल में सिर्फ जिंदा रहने जाते हैं, अमीरी कमाने नहीं. इसी बीच वे बताते हैं कि कैसे जिंक माइनिंग में 100% महिलाओं को मौका देकर उन्होंने लेडीज की पूरी टीम तैयार की, जो 2 किमी जमीन के नीचे तक जाकर निडर होकर काम करती है और रेस्क्यू टीम तक पूरी तरह महिला है.

देश में ही इंडियन हार्वर्ड खड़ा करने का सपना

खान सर के डिजिटल एजुकेशन मॉडल और 11 रुपये वाली क्लास का ज़िक्र आते ही वे शिक्षा और टेक्नोलॉजी पर खुलकर बात करते हैं.उनका मानना है कि गांव की लड़कियों को अगर अंग्रेजी और स्किल बेस्ड ट्रेनिंग दे दी जाए, तो 7-8 हजार रुपये महीने की कमाई से पूरा देश बदल सकता है. विजन है कि ऐसा स्किल यूनिवर्सिटी मॉडल बने, जहां से निकलने वाला हर छात्र 10-15 स्किल लेकर निकले और देश में ही इंडियन हार्वर्ड खड़ा हो, जिसमें लाखों स्टूडेंट पढ़ सकें.

समझाया शादी का मतलब

बात शादी और निजी जीवन पर आती है तो वे मुस्कुराते हुए कहते हैं कि शादी का मतलब है एक साथ लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा का वरदान मिलना. पत्नी ने मुश्किल दिनों में बिना हिचके जेवर तक दांव पर लगा दिए, सही-गलत लोगों को पहचानने में हमेशा साथ दिया और जरूरत पड़ने पर दुर्गा की तरह सामने खड़ी हो गईं. 50 साल की शादीशुदा जिंदगी के तजुर्बे से वे युवा पीढ़ी को मैसेज देते हैं कि सपने बड़े रखिए, सिर पर कफन बांधिए, निडर रहिए, लेकिन जमीन और संस्कार कभी मत छोड़िए.

अगले जन्म में बनना चाहते हैं खान सर

खान सर से मुलाकात को अनिल अग्रवाल दिल छू लेने वाला पल बताते हैं. दोनों पटना के होने के नाते बचपन, गंगा घाट, छठ, सोनपुर मेला, लिट्टी-चोखा से लेकर आज की डिजिटल क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक हर बात पर जुड़ते नजर आते हैं. आखिर में वे साफ शब्दों में कहते हैं आप जैसे लोगों की आज समाज को बहुत जरूरत है, अपने सपने आगे बढ़ाइए, हम आपके साथ हैं. उन्होंने कहा कि अगल जन्म में मैं खान सर बनना चाहता हूं.